CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(*Amendment of articles* 19, 31, *etc.*)

श्री मदन तिवारी (राजनन्दगांव) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपकी आज्ञा से प्रस्ताव करता हूं कि भारत के संविधान का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाय ।

MR. DEPUTY-SPEAKER. The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

श्री मदन तिवारी : मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूं :

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(*Amendment of articles* 84, 173, *etc.*)

SHRI RAJ KRISHNA DAWN (Burdwan): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI RAJ KRISHNA DAWN: I introduce the Bill.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(*Amendment of article* 19, *omission of article* 31, *etc.*)

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री (रीवा) : उपाध्यक्ष महोदय', मैं प्रस्ताव करता हू कि मुझे भारत के संविधान का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाय ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constiution of India."

The motion was adopted.

श्री यमुना प्रसाद शास्त्री : मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूं ।

JANATA TRUSTEESHIP BILL*

डा० रामजी सिंह (भागलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि मुझे उद्यमों के और विकास के लिय ट्रस्टीशिप निगमों की स्थापना का और तत्संसक्त विषयों का उपबन्ध करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाय ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to provide for the creation of Trust Corporations for further development of enterprises and for matters connected therewith."

The motion was adopted.

डा० रामजी सिंह : मैं विधेयक को** पुरःस्थापित करता हूं ।

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(*Amendment of articles* 19, 31, *etc.*)

श्री शरद यादव (जबलपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि भारत के

**Introduced with the recommenda tion of the President.

20-4-78.

**Introduced with the recommend ation of the President.

[श्री शरद यादव]

संविधान का और संशोधन करने वाले विधेयक को पुरःस्थापित करने की अनुमति दी जाय ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

श्री शरद यादव : मैं विधेयक को पुरःस्थापित करता हूं ।

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of articles 352, 356 etc.)

SHRI HARI VISHNU KAMATH (Hoshangabad): I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI HARI VISHNU KAMATH: I introduce the Bill.

15.37 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL—*contd.*

(Amendment of article 51) by Shri Hari Vishnu Kamath

MR. DEPUTY-SPEAKER: We now take up further consideration of the following motion:

"That the Bill further to amend the Constitution of India, be taken into consideration."

श्री शंकर देव (बीदर) : माननीय उपाध्यक्ष जी, जय जगत ।

मैं माननीय कामथ साहब को, जिन्होंने इस बिल को इन्ट्रोड्यूस किया है, बधाई देना चाहता हूं : यह ऐसा बिल है, जिसके बारे में न केवल हमारे देश को, बल्कि सारी दुनिया को सोचना पड़ेगा ।

उपाध्यक्ष जी, कुछ दिन पहले महान वैज्ञानिक "एलबर्ट आइन्स्टीन" यहां आये थे । उन के पास कुछ प्रेस रिपोरटर्स गये । चूंकि वह महान वैज्ञानिक थे, उन्होंने एटम बम के निर्माण में बहुत कुछ सहयोग दिया था, इसलिए प्रेस रिपोटर्स ने उन से पूछा—"महाशय, यह बतलाइये, पहले विश्व युद्ध में हवाई जहाज का एक अस्त्र के रूप में अन्वेषण हुआ, दूसरे विश्व युद्ध में एटम बम कएक अस्त्र के रूप में आया, अब यदि तीसरा विश्व युद्ध हो तो उस के अन्दर कौन सा भयंकर अस्त्र पैदा होने वाला है ? "श्री आइन्स्टीन ने कहा—"यदि तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो उस में कौन सा अस्त्र होगा, यह तो मैं नहीं बतला सकता, लेकिन यदि चौथा विश्व युद्ध होगा, तो मैं बतला सकता हूं कि उस समय कंकड़, पत्थर या पाषाण युग के अस्त्रों का प्रयोग होगा ।" उन के कहने का तात्पर्य था—यदि तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो सब का सत्यानाश हो जाएगा, मानवता बच नहीं सकेगी, सभ्यता, संस्कृति, ह्यूमन सिविलाईजेशन—सब का सत्यानाश हो जाएगा और उस के बाद हम को पषाण युग की सभ्यता का निर्माण करना पड़ेगा ।

उपाध्यक्ष महोदय, आज सब से बड़ी समस्या यह है कि हमारा विज्ञान, जो तरक्की कर रहा है, वह मानव की सेवा के लिए बढ़ रहा है, लेकिन साथ साथ मानव को समाप्त करने का कारण भी बनता जा रहा है । ऐसी स्थिति में जब तक सारे विश्व के लोग एक जगह बैठ कर इन अस्त्र-शस्त्रों पर रोक नहीं लगायेंगे, तब तक मानव जाति बच

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 2, dated 20-4-78.